1

2

हिन्द महासागर

3

हिन्द महासागर

4

हिन्द महासागर

5

हिन्द महासागर

6

UN Convention on the Law of Sea
(UNCLOS) – 1982

एक अन्तर्राष्ट्रीय समझौता, 1994 से लागू, 167 देश शामिल

7

1.

इस कानून के अनुसार पृथ्वी के जल क्षेत्र को 4 भागों में विभक्त किया गया है–

8

(i)
अंदूरनी जल
(Internal Water)

जमीनी सीमा के अन्दर का जलाशय और नदी

9

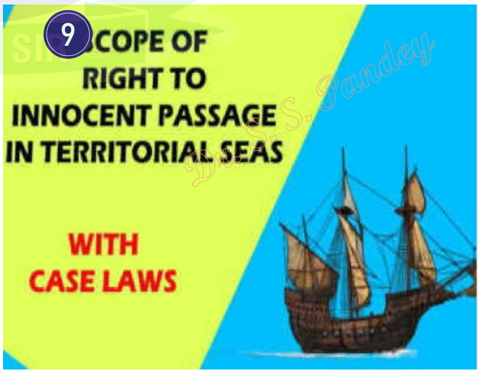

(ii)
क्षेत्रीय जल
(Territorial Water)
तट से 12 समुद्री मील तक का क्षेत्र

इस क्षेत्र में विदेशी नौकाओं के निश्छल परिवहन (Innocent Passage) का अधिकार–
लेकिन तटीय राज्य आपातकाल स्थिति में कुछ समय के लिए इसे रोक सकते हैं

10

(iii)
निकटवर्ती क्षेत्र
(Contiguous Zone)
क्षेत्रीय जल के अंत से 12 समुद्री मील आगे तक का क्षेत्र
(तट से – 24 नॉटिकल मील)

इस क्षेत्र में तटीय राज्य को 4 बिन्दुओं पर अपना कानून लागू करने का अधिकार– प्रदूषण, कर, सीमा शुल्क एवं अप्रवासन

11

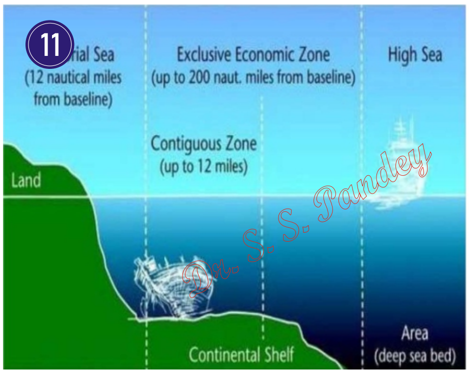

(iv)
आरक्षित आर्थिक क्षेत्र
(Exclusive Economic Zone)

क्षेत्रीय जल के अंत से और तट से 200 समुद्री मील बाहर तक का क्षेत्र
इस क्षेत्र में तटीय राज्य को केवल आर्थिक संसाधनों पर अधिकार– परंतु इस क्षेत्र से विदेशी नौका एवं विमान के आवागमन का स्वतंत्र अधिकार और समुद्र के फर्श पर संचार तार लगाने का अधिकार
[भारत का EEZ -24 लाख वर्ग किमी.]

12

2.
'अन्तर्राष्ट्रीय समुद्रतल प्राधिकरण' की स्थापना का प्रावधान (समुद्रतल के संसाधन के प्रशासन हेतु)

13

3.
'अन्तर्राष्ट्रीय समुद्री कानून न्यायाधिकरण' के गठन का प्रावधान

14

International
Maritime Organization
(IMO)
1958 - 1982

15

(i) IMO UN की एक विशिष्ट एजेंसी है जो जलयानों के यातायात को नियंत्रित करने के लिए अधिकृत है
(ii) 22 मई, 1982 को गठन मुख्यालय - लंदन में
(iii) 171 देश सदस्य (भारत 1959 में सदस्य)
(iv) 2 दिसम्बर, 2017– भारत भी काउंसिल का सदस्य (कुल 10 सदस्य)

16

तटीय सीमा का आकार एवं प्रकृति

7516 km
खाड़ी, नदी, द्वीप, क्रीक आदि से युक्त छिद्रिल सीमा

17

7516 km
खाड़ी, नदी, द्वीप, क्रीक आदि से युक्त छिद्रिल सीमा

18

तटवर्ती सीमा सुरक्षा चुनौतियाँ

19

1.
आतंकियों के घुसपैठ की समस्या :
Ex- 2008 का मुंबई हमला

20

2.
मछुवारों की गिरफ्तारी – उनको ISI Agent के रूप में प्रयोग एवं उनके नौकाओं का तस्करी, हथियार एवं आतंकी भेजने में प्रयोग

21

कच्छ की खाड़ी में पाक द्वारा भारतीय नौकाओं का आतंकी हमलों में प्रयोग

26

22

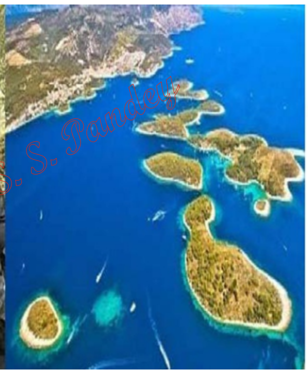

3.

द्विपीय क्षेत्रों की मुख्य भूमि से दूरी एवं निर्जनता का लाभ उठाकर आतंकवादियों एवं तस्करों द्वारा इनका प्रयोग

27

5.

समुद्री लूटपाट की समस्या : लक्षद्वीप एवं अदन की खाड़ी में समुद्री लूटपाट में तीव्र वृद्धि, (समुद्री लूटरे से बचने हेतु दुनिया के देशों को 16 अरब डॉलर खर्च)

23

IB के अनुसार

लक्षद्वीप के कई द्वीप को 'लश्कर-ए-तैय्यबा' द्वारा आतंकियों के प्रशिक्षण केंद्र एवं तस्करी के लिये परागमन बिंदु के रूप में प्रयोग किया जा रहा है

28

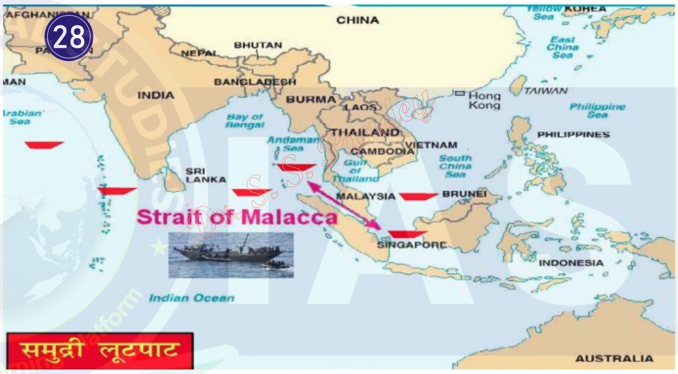

24

21 अप्रैल 2019 को श्रीलंका में बम विस्फोट जिसमें 269 लोगों की मौत और 23 मई 2019 – इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियों को ले जाने वाली नाव श्रीलंका से लक्षद्वीप पहुँचा (IB)

29

25

4. अंडमान-निकोबार में अवैध प्रवास एवं नृजातीय संघर्ष की संभावना

(i) अंडमान-निकोबार के 572 द्वीप में से 536 द्वीप मानवरहित

(ii) हाल के वर्षों में इस द्वीप पर श्रीलंका, बांग्लादेश, म्यान्मार, थाईलैंड एवं इंडोनेशिया से अवैध अप्रवास में तीव्र वृद्धि

30

12 मार्च 2024

समुद्री लुटेरों ने हिंद महासागर में बांग्लादेशी मालवाहक जहाज को हाईजैक किया और जहाज को सोमालिया की ओर ले गए

31

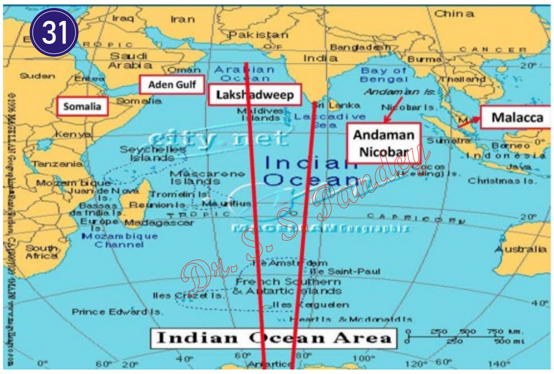

2012

IMO द्वारा उच्च जोखिम क्षेत्र को देशांतरी अंकन 65 डिग्री पूर्व से 78 डिग्री पूर्व तक बढ़ाया गया

भारत द्वारा विरोध

32

- 2012 की समुद्री डकैती के उच्च-जोखिम क्षेत्रों के लिए देशांतर (लॉन्गिट्यूडिनल) अंकन अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन द्वारा अरब सागर में 65 डिग्री पूर्व से 78 डिग्री पूर्व तक खिसका दिया गया था। भारत के समुद्री सुरक्षा सरोकारों पर इसका क्या परिणाम है? (2014)

33

6.

हिंद महासागर में विश्व की महाशक्तियों की उपस्थिति से उत्पन्न खतरे

34

1.

डियागो गार्सिया में USA की उपस्थिति

35

36

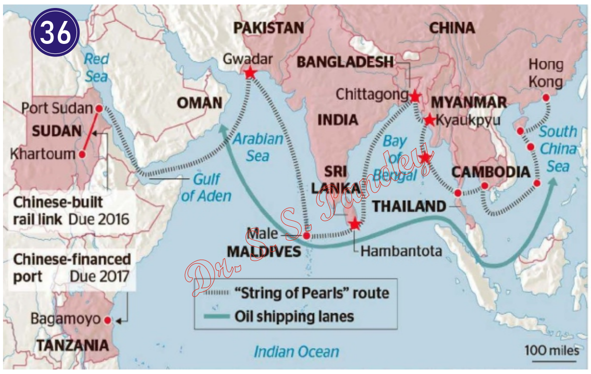

2.

हिन्द महासागर में चीन की उपस्थिति से उत्पन्न खतरे

37

38

(i) हिंद महासागर में चीन द्वारा 'String of Pearls' तथा One Belt, One Road (OBOR) के रूप में उपस्थिति एवं व्यापारिक गतिविधियों के साथ-साथ सैन्य गतिविधियों में वृद्धि–

- सित्वे
- चटगाँव
- हम्बनटोटा
- मराओ एटॉल (मालदीव)
- ग्वादर

39

Silk Road

40

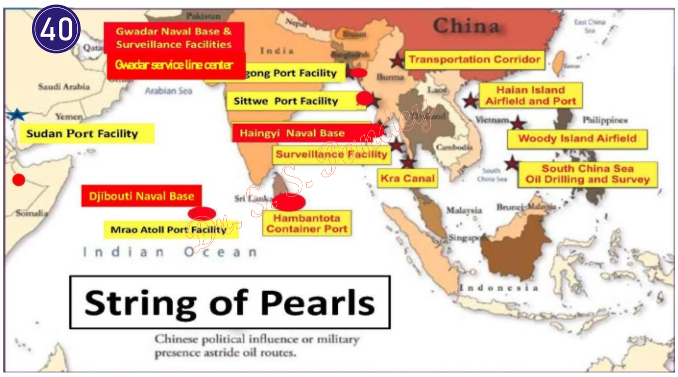

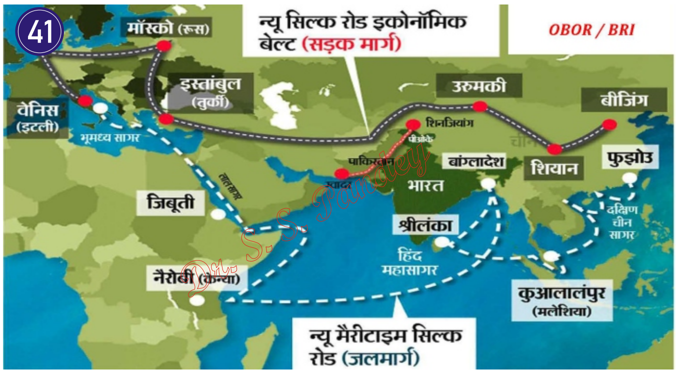

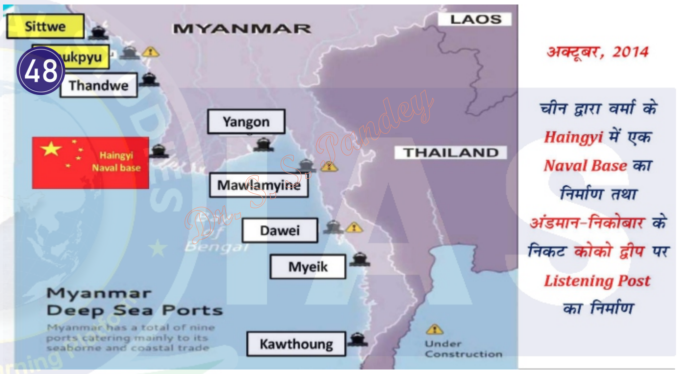

50

जनवरी 2020– चीन के राष्ट्रपति शी-जिन-पिंग की म्यान्मार यात्रा के दौरान चीन और म्यान्मार के क्युक्फ्यु स्पेशल इकोनॉमिक जोन (KPSEZ) और डीप सी पोर्ट प्रोजेक्ट के लिए समझौते पर हस्ताक्षर

51

2018 – बांग्लादेश के नौसेना अड्डे पर 2 चीनी मिंग श्रेणी की पनडुब्बी तैनात
फलतः विशाखापट्टनम, बालासोर Range में [वापस]

52

2019

बांग्लादेश द्वारा कुतुब्दिया चैनल एवं राबनाबाद चैनल में चीनी पनडुब्बी हेतु मेड़ / गैरेज का निर्माण

53

27 जुलाई 2023

चीनी नौसेना का टास्क ग्रुप 106 कई बड़े युद्धपोतों के साथ और 800 चीनी सैनिकों के साथ हिन्द महासागर में इण्डोनेशिया के सुराबया में देखा गया

54

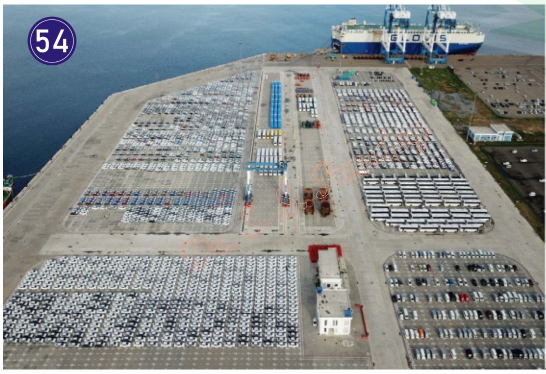

सितम्बर 2014

श्रीलंका में चीन

चीन का श्रीलंका के साथ OBOR के तहत हंबनटोटा परियोजना समझौता

55

24 मई, 2021

श्रीलंका में कोलंबो पोर्ट सिटी के निर्माण के लिए चीनी कंपनी के साथ समझौता

(99 साल की लीज की शर्त)

56

16 अगस्त 2022

हबंनटोटा बंदरगाह पर चीन के जासूसी जहाज Yuan Wang 5 की एंट्री

57

2014

में चीन द्वारा समुद्री डाकुओं को रोकने के बहाने हिंद महासागर में शंग श्रेणी के परमाणु मिसाइल वाले पनडुब्बी की तैनाती तथा Naval Base का निर्माण

58

1 दिसम्बर, 2017

समुद्री लूट को रोकने के बहाने चीनी पनडुब्बी की गतिविधियों में वृद्धि

59

सितम्बर, 2019

चीन के 7 जंगी जहाज हिंद महासागर में मौजूद

[27000 टन वजनी विमान वाहक युद्धपोत जियान 32 भी]

60

अगस्त 2022

हिन्द महासागर में चीनी निगरानी जहाज Yuan Wang 5 तथा Yuan Wang 6 की उपस्थिति के कारण भारत को अपना मिसाइल परीक्षण स्थगित करना पड़ा

61

66

2022

मालदीव में इंडिया आऊट अभियान

62

दिसंबर 2022

चीन का जासूसी जहाज यांग वांग-5 हिंद महासागर क्षेत्र में दाखिल

भारतीय नौसैनिकों द्वारा इस चीनी पोत को भारतीय सीमा क्षेत्र से बाहर निकाला गया

67

1 अक्टूबर 2023

मालदीव में राष्ट्रपति चुनाव और भारत विरोधी तथा चीन समर्थक मोहम्मद मुइज्जू की जीत

63

68

10 जनवरी 2024

बीजिंग में मालदीव और चीन के बीच कुल 20 समझौते पर हस्ताक्षर

हिन्दमहासागर में भारत के लिए सुरक्षा चिन्ता

64

69

15 जनवरी 2024

मालदीव की मोहम्मद मुईज्जू की सरकार द्वारा इण्डिया आँउट अभियान के तहत भारतीय सैनिकों को 15 मार्च तक देश छोड़ने का निर्देश

65

2016

मालदीव में चीन – मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन ने अपने कार्यकाल के दौरान 2016 में फाइडो-फिनेल द्वीप समेत 16 द्वीपों को 50 साल के लिए चीनी कम्पनियों को लीज पर दिया

70

4 मार्च 2024

मालदीव द्वारा चीन के साथ सैन्य समझौते की घोषणा

71

फरवरी 2024

चीनी शोध जहाज जियांग यांग होंग 3 हिन्द महासागर में मालदीव पहुँचा

भारत के लिए सुरक्षा चिंता

76

72

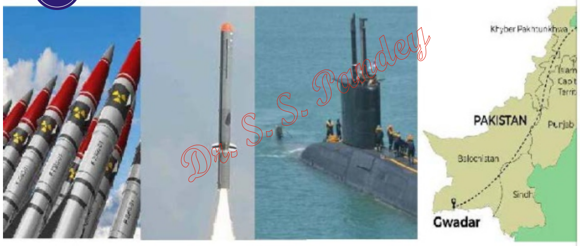

जनवरी, 2018

चीन की पाक के साथ 1500 किमी. तक परमाणु हथियार वाली क्रूज मिसाइल दागने वाली पनडुब्बी का निर्माण प्रारंभ जिसकी तैनाती ग्वादर में होगी

77

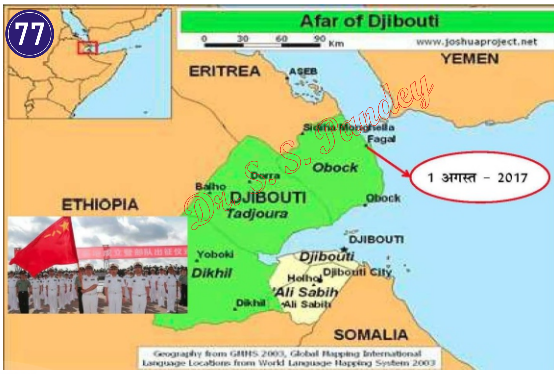

1 अगस्त 2017 / अगस्त 2022

Djibouti में चीन द्वारा सैन्य बेस का निर्माण

73

नवंबर 2023

कराची पोर्ट पर चीन-पाकिस्तान का संयुक्त नौसैनिक युद्धाभ्यास

The Sea Guardian - 3

78

मई, 2021

केन्या में चीनी कंपनी द्वारा लामू बंदरगाह का विकास

74

मार्च, 2021

चीन और ईरान के बीच रणनीतिक समझौते पर हस्ताक्षर

इसमें आर्थिक, सैन्य और सुरक्षा सहयोग पर बल दिया गया

5 हजार चीनी सैनिकों की ईरान में तैनाती

भारतीय हितों के लिए चुनौती

79

75

जनवरी, 2022

चाबाहार बन्दरगाह पर ईरान, रूस और चीन के नौसैनिक युद्धाभ्यास

80

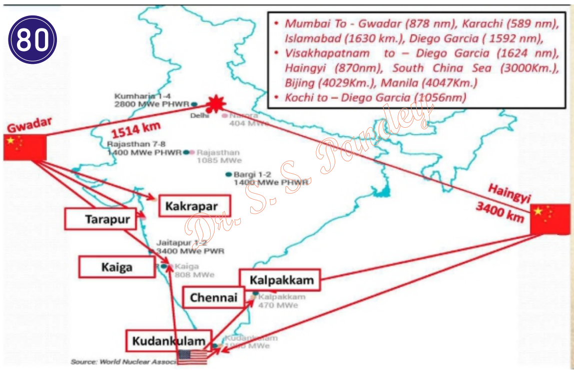

भारतीय परमाणु संयंत्र की सुरक्षा खतरे में

81

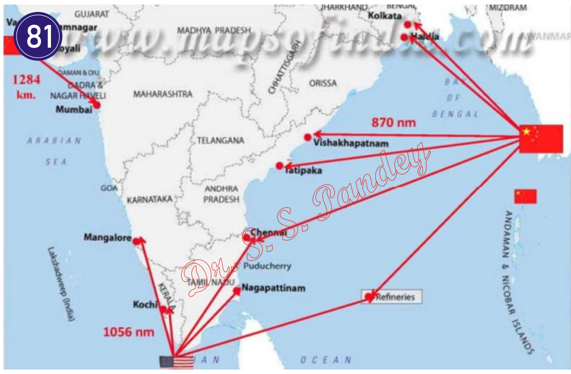

भारत की प्रमुख तटीय तेल परिशोधन स्थापनाएँ खतरे में

86

1 दिसंबर 2022

पेंटागन की रिपोर्ट

चीन

हिन्द महासागर में अपनी युद्ध क्षमता बढ़ा रहा है

82

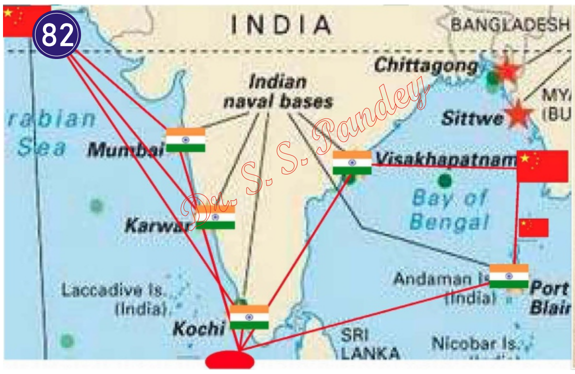

भारतीय नौसैनिक अड्डे को खतरा

87

(iv)

दक्षिण चीन सागर में चीन के वर्चस्व में वृद्धि

83

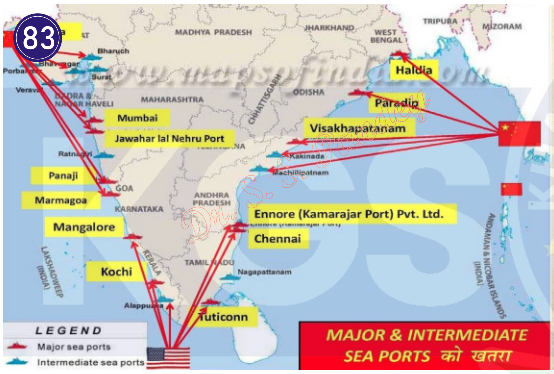

Major & Intermediate Sea Ports को खतरा

88

दक्षिण चीन सागर में चीन की सैन्य गतिविधियाँ एवं वर्चस्व में वृद्धि

84

(iii)

21 नवंबर 2022

चीन अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी (CIDCA - 2018) द्वारा 19 देशों के साथ विकास सहयोग पर हिन्द महासागर क्षेत्रीय मंच की बैठक और इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन (IORA - 1997) को संतुलित करने का प्रयास

89

Dr. S. S. Pandey

भारत की तटीय सीमा सुरक्षा प्रबंधन

85

INDIA'S STRATEGIC VISION : SECURITY AND GROWTH FOR ALL IN THE REGION (SAGAR)

चीन की इस पहल को भारत की सागर (सिक्योरिटी ऐंड ग्रोथ फॉर आल इन द रीजन) (SAGAR - 2015) के तुलनात्मक प्रतिद्वंदी के तौर पर देखा जा रहा है

1

Dr. S. S. Pandey

भारत की तटीय सीमा सुरक्षा प्रबंधन

2

भौतिक प्रबंधन

3

1. तटीय सुरक्षा का त्रिस्तरीय तंत्र

(i) बाहरी स्तर– (200 समुद्री मील एवं उससे बाहर) भारतीय नौसेना – 98,350

(ii) मध्य स्तर– (तट से 12 समुद्री मील के बाद एवं 200 समुद्री मील के पहले) Indian Coast Guard – 10,400 (1978)

(iii) आंतरिक स्तर– तट से 12 समुद्र मील तक – तटीय पुलिस (183 तटीय स्टेशन)

4

2. तटीय सुरक्षा का आधुनिकीकरण

(i) नौकाओं पर GPS तथा विशेष Transponder की अनिवार्यता तथा Inter-cepter Boat पर बल

(ii) अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बोट एवं बन्दरगाह की निगरानी व्यवस्था

5

3.

समुद्री सुरक्षा पर क्षेत्रीय देशों के साथ समन्वय के लिए आईएफसी के परिसर में दिसंबर 2018 को आईएफसी – आईओआर का उद्घाटन किया गया। इस केंद्र का उद्देश्य एक सामान्य सुसंगत समुद्री स्थितिजन्य तस्वीर का निर्माण करके और क्षेत्र के लिए समुद्री सुरक्षा सूचना साझाकरण केंद्र के रूप में कार्य करके क्षेत्र और उससे परे समुद्री सुरक्षा को मजबूत करना है

6

4.

सभी मछुआरों तथा तटीय गाँव वालों के लिए बहुउद्देश्यीय पहचान-पत्र एवं मछुआरों के लिए 'सामान्य राष्ट्रीय लाइसेंस' की व्यवस्था

7

5.

आतंकवादियों से निपटने के लिए एकीकृत कमान तथा द्वीपीय प्रदेशों के संचालन हेतु संयुक्त कमान / अंडमान निकोबार कमान [पोर्ट ब्लेयर में संयुक्त कमान (थल + जल + वायु सेना) का गठन]

8

6.

नौसैनिक संपत्ति एवं राष्ट्रीय संपत्ति के रक्षार्थ 'सागर प्रहरी बल' की स्थापना

9

7.

खुफिया जानकारी जुटाने तथा सभी सुरक्षा बलों एवं जाँच एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित करने हेतु 'संयुक्त कार्यवाही केन्द्र' की स्थापना

10

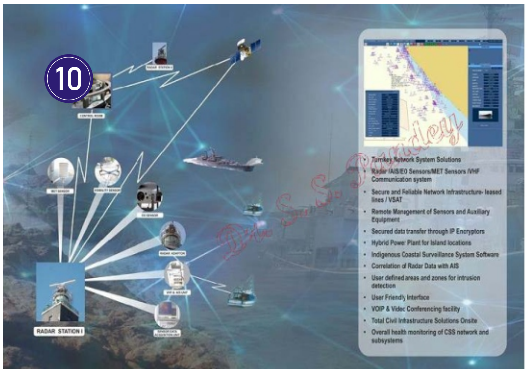

8.

2008 – 2016 – भारत द्वारा 'इंटीग्रेटेड कोस्टल सर्विलांस सिस्टम' (ICSS) प्रारंभ

वर्तमान में यह भारत, मालद्वीव, मॉरिशस, सेशेल्स और श्रीलंका में चालू

9.

फरवरी, 2022

नौसेना के पूर्व-उपप्रमुख वाइस एडमिरल अशोक कुमार को प्रथम राष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा समन्वयक (NMSC) नियुक्त

(समुद्री मामलों के प्रबंधन के लिए एक शीर्ष निकाय)

Project 75 India– यह भारतीय नौसेना का एक कार्यक्रम है जिसमें स्कॉर्पीन क्लास की छः पनडुब्बियों का स्वदेशी निर्माण शामिल है।

इस प्रोजेक्ट के तहत पांच पनडुब्बियों ...

1. INS कलवरी- दिसंबर 2017
2. INS खंडेरी - सितंबर 2019
3. INS करंज - मार्च 2021
4. INS वेला - नवंबर 2021
5. INS वागीर - जनवरी 2023

को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया

6. INS वाग्शीर - शामिल नहीं

10.

30 दिसम्बर 2022

लक्षद्वीप प्रशासन द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा चिन्ता का हवाला देते हुए कुल 36 द्वीपों में से 17 में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया

जनवरी 2024

हिंद महासागर में एक ब्लू-वॉटर नेवी के निर्माण हेतु भारतीय नौसेना ने 68 नए युद्धपोतों और जहाजों के लिए ऑर्डर दिया है, जिनकी कुल कीमत लगभग 2 लाख करोड रुपये है।

भारतीय नौसेना ने 2035 तक 175 युद्धपोत तथा लड़ाकू विमानों, विमानों, हेलीकॉप्टरों और ड्रोनों की संख्या को बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है

7 मार्च 2024

भारत द्वारा 7 मार्च 2024 को लक्षद्वीप (Minicoy) में INS Jatayu नाम का एक नया नौसैनिक अड्डा स्थापित किया गया

अक्टूबर, 2014

INS Chakra – Nuclear Power Submarine की तैनाती

11.

आधुनिक पनडुब्बी, युद्धपोत एवं अन्य की तैनाती

मार्च, 2016

K-4 सबमरीन लॉन्च बेलेस्टिक मिसाइल INS अरिहन्त से लॉन्च

31 दिसम्बर 2023 तक

भारत के पास 16 पारंपरिक और 3 परमाणु पनडुब्बियां सेवा में हैं।

पनडुब्बी बेड़े में 7 रूसी किलो श्रेणी की पनडुब्बियां, 4 जर्मन HDW, 5 स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बियां और स्वदेशी परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी INS अरिहंत शामिल हैं

दिसम्बर 2016

INS अरिहन्त प्रथम स्वदेशी परमाणु पनडुब्बी की अण्डमान निकोबार में तैनाती

2016

स्वदेशी विमानवाहक INS विक्रांत तथा स्वदेशी परमाणु पनडुब्बी अरिहंत के न्यूक्लियर रियेक्टर को चालू करके– Deep Blue Navy का निर्माण प्रारंभ

2016

P-8I Anti Submarine Hunter Aircraft की अण्डमान निकोबार में तैनाती (पोसाइडन-8I)

दिसम्बर 2017

Project 75 India के तहत प्रथम स्वदेशी Kalvari-class Submarine भारतीय नौसेना में शामिल

सितम्बर, 2017

युद्धपोत तरासा (49M) भारतीय नौसेना में शामिल

अक्टूबर, 2017

स्वदेशी युद्धपोत फिलतान (109M) भारतीय नौसेना में शामिल

सितम्बर, 2019

Project 75 India के तहत INS Khanderi – Scorpion Class की स्वदेशी पनडुब्बी भारतीय नौसेना में शामिल

सितम्बर, 2020

INS अरिघात – स्वदेश निर्मित दूसरी Nuclear Ballistic Submarine भारतीय नौसेना में शामिल

दिसम्बर 2020

प्रोजेक्ट 17A के तहत बना प्रथम युद्धपोत हिमगिरि का कोलकाता में Sea Trial

अगस्त, 2021

अमेरिका द्वारा भारत को 'हारपून एंटी शिप मिसाइल' बेचने को मंजूरी

P-8I एयरक्रॅफ्ट में इंस्टॉल किया जाएगा

25 नवम्बर, 2021

Project 75 India के तहत फॉक्सट्रॉट श्रेणी की पनडुब्बी INS वेला भारतीय नौसेना में शामिल

31

25 नवम्बर, 2021

Project 75 India के तहत स्कॉर्पियन श्रेणी की पनडुब्बी *INS करंज* भारतीय नौसेना में शामिल

36

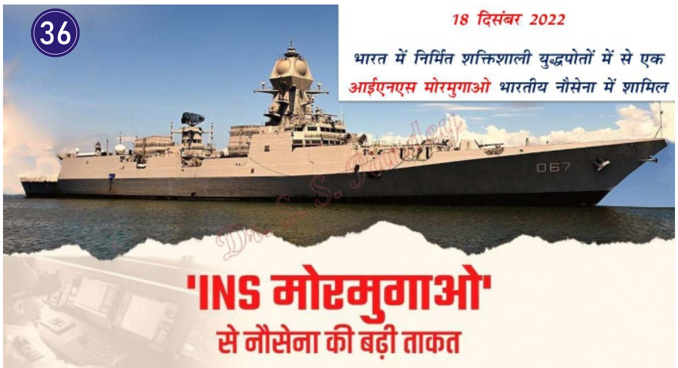

18 दिसंबर 2022

भारत में निर्मित शक्तिशाली युद्धपोतों में से एक आईएनएस मोरमुगाओ भारतीय नौसेना में शामिल

32

नवम्बर, 2021

देश का पहला स्टेल्थ गाइडेड मिसाइल डेस्ट्रॉयर *INS Visakhapatnam* भारतीय नौसेना में शामिल।

इस युद्धपोत पर ब्रह्मोस और बराक मिसाईल तैनात

37

23 जनवरी 2023

Project 75 India के तहत कलवारी श्रेणी की पांचवीं पनडुब्बी वागीर भारतीय नौसेना में शामिल

33

जनवरी, 2022

विशाखापत्तनम में अरिहंत श्रेणी की तीसरी परमाणु पनडुब्बी एस-4 लॉन्च

38

1 सितंबर 2023

भारत का नया युद्धपोत महेन्द्रगिरी का जलावतरण

34

11 सितंबर 2022

भारतीय युद्धपोत 'तारागिरी' का जलावतरण, अगस्त 2025 तक भारतीय नौसेना को सुपुर्द किया जायेगा

39

समुद्री लुटेरों से सुरक्षा प्रबंधन

35

सितंबर 2022

पहला स्वदेशी विमान वाहक जहाज *INS-Vikrant* शुरूआत, यह भारत के समुद्री इतिहास में अब तक बना सबसे बड़ा जहाज है।

40

1.

समुद्री लूट से सुरक्षा हेतु– भारत द्वारा *INS तलवार* की तैनाती

2.

भारत द्वारा NATO के साथ मिलकर– 'ऑपरेशन ओसन शील्ड' का संचालन तथा 'यूरोपीय नौसैनिक बल के साथ साझा अभियान'

3.

दिसम्बर 2022

The Maritime Anti-Piracy Act, 2022

भारतीय युद्धपोतों को समुद्री डकैती के खिलाफ कारवाई करने की शक्ति प्रदान करने के लिए अधिनियमित

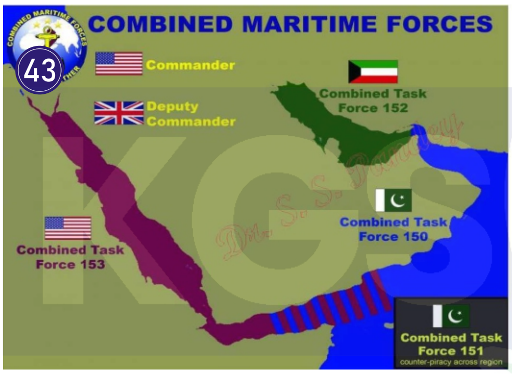

4.

दिसम्बर 2023– भारत 39 सदस्यीय संयुक्त समुद्री बल (Combined Maritime Force) में शामिल

इस फोर्स का मुख्यालय बहरीन में है

5.

जनवरी 2024

समुद्री डकैतों से बचाने के लिए भारतीय नौसेना द्वारा अरब सागर और अदन की खाड़ी में कुल 10 युद्धपोत तैनात (इनमें INS मोरमुगाओ, INS कोलकाता, INS कोच्चि, INS चेन्नई, INS तरकश, INS तलवार शामिल)

5 जनवरी 2024

INS चेन्नई भारतीय नौसेना के मार्कोस कमांडो ने एक बड़े ऑपरेशन द्वारा सोमालिया के पास समुद्री लुटेरों द्वारा हाईजैक किये गये जहाज एमवी लीला नॉरफोक पर सवार 15 भारतीय सहित 21 क्रू मेंबर्स को बचाया

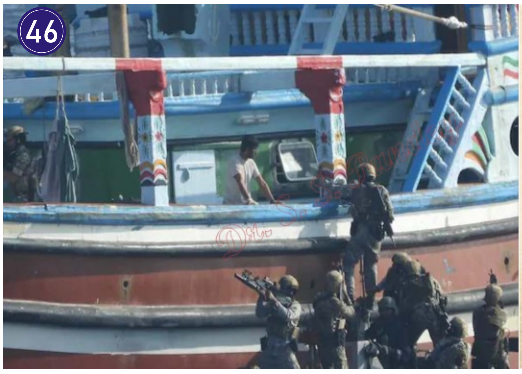

2 फरवरी 2024

भारतीय नौसेना ने (INS Sharda) बचाव अभियानों के तहत सोमालिया के पूर्वी तट पर 11 ईरानी और 8 पाकिस्तानी नागरिकों के चालक दल के साथ एक ईरानी ध्वज लगे मछली पकड़ने वाले जहाज पर समुद्री डकैती के प्रयास को विफल कर दिया।

47

कूटनीतिक प्रबंधन

48

(a) हिन्द महासागर में भारत का युद्ध अभ्यास

हिन्द प्रशांत क्षेत्र में नवीन गठबंधन रणनीति द्वारा चीन को संतुलित करने का प्रयास –

1. मालाबार अभ्यास
2. MILAN नौसैनिक अभ्यास
3. भारत - आस्ट्रेलिया AUSINDEX & AUSTIHIND
4. भारत - अमेरिका TIGER TRUMP & CUTLASS
5. भारत - श्रीलंका - SLINEX
5. भारत - फ्रांस - VARUNA

अक्टूबर 2022

भारत-अमेरिका नौसेना अभ्यास– 'टाईगर ट्रंफ' तीसरा संस्करण विशाखापट्टनम में सम्पन्न

51

अप्रैल 2023

10वाँ भारत-श्रीलंका द्विपक्षीय नौसेना अभ्यास SLINEX संपन्न

52

2023

भारत और इंडोनेशिया का नौसैनिक अभ्यास चौथा संस्करण 'समुद्र शक्ति'

मई 2023 में इंडोनेशिया में सम्पन्न

53

मालाबार अभ्यास

21 अगस्त, 2023

सिडनी के पास ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर संपन्न।

इस अभ्यास में... भारतीय नौसेना, रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी, जापान मैरीटाइम सेल्फ डिफेंस फोर्स और यूएस नेवी ने भाग लिया।

54

25 अगस्त 2023

AUSINDEX - 23

भारत-ऑस्ट्रेलिया नौसैनिक अभ्यास पाँचवा संस्करण

22-25 अगस्त 2023

सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) में संपन्न

55

2023

भारत-फ्रांस द्विपक्षीय नौसेना अभ्यास 'Varuna' का 21वां संस्करण - अरब सागर में दो चरणों में जनवरी और सितंबर में संपन्न

56

दिसम्बर 2023

संयुक्त सैन्य अभ्यास AUSTRAHIND - 23 के दूसरे संस्करण में भाग लेने के लिए 81 कर्मियों वाला भारतीय सशस्त्र बल का दस्ता ऑस्ट्रेलिया पहुँचा और यह अभ्यास 22 नवंबर से 06 दिसंबर 2023 तक पर्थ, ऑस्ट्रेलिया में संपन्न हुआ

57

8 मार्च 2024

बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास Cultass Express - 2024 सेशेल्स में... 26 फरवरी-8 मार्च 2024 को संपन्न

इसमें 16 देशों की नौसेना ने भाग लिया

इसमें भारतीय नौसेना का प्रतिनिधित्व INS Tir द्वारा किया गया

58

मार्च 2024

भारतीय नौसेना का संयुक्त युद्धाभ्यास MILAN - 24 का 12वाँ संस्करण - 51 देशों की नौसेनाओं के साथ विशाखापट्टनम में संपन्न

मुख्य थीम 'ड्रोन हमला' एवं 'समुद्री डकैती' से बचाव

59

(b)

भारत द्वारा अन्य देशों के साथ समुद्री सुरक्षा के संदर्भ में विभिन्न संधियाँ / समझौता

60

1997 - इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन (IORA)

61

1997

हिंद महासागर क्षेत्र के देशों द्वारा आपसी क्षेत्रीय सहयोग द्वारा स्वयं को मजबूत बनाने हेतु

1997 में – हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (IORA) का गठन (23 सदस्य देश)

66

2011 – 2020

भारत द्वारा.... 'कोलंबो सिक्योरिटी कॉनक्लेव' श्रीलंका, मालदीव और सेशेल्स के साथ हिन्द महासागर में रक्षा पहल

(नया सदस्य मॉरीशस)

62

2007 – 2008
2017

Quadrilateral Security Dialogue (QUAD)
India, Japan USA, Australia

67

मार्च 2018

हिंद महासागर में 'भारत – फ्रांस समुद्री सहयोग का साझा सामरिक दृष्टिकोण' के रूप प्रयास

63

जून, 2014

'प्रोजेक्ट मौसम' प्रारंभ

68

मार्च 2019

ISRO और फ्रांसीसी अंतरिक्ष एजेंसी CNES के बीच हिंद महासागर की निगरानी हेतु एक 'संयुक्त समुद्री निगरानी प्रणाली' स्थापित करने हेतु समझौता

64

2015 – भारत की सागर (सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर आल इन द रीजन (SAGAR) नीति

69

2017 - INSTC

INSTC एक बहु-मॉडल परिवहन मार्ग है जो हिंद महासागर और फारस की खाड़ी को ईरान के माध्यम से कैस्पियन सागर और रूस में सेंट पीटर्सबर्ग के माध्यम से उत्तरी यूरोप तक जोड़ता है।

INSTC में समुद्र के रास्ते मुंबई (भारत) से चाबहार (ईरान) तक, चाबहार से बंदर-ए-अंजली (कैस्पियन सागर पर एक ईरानी बंदरगाह) तक सड़क मार्ग से माल के अवागमन की परिकल्पना

65

2016–2018–2020

भारत-अमेरिका समझौता – LEMOA - 2016, COMCASA - 2018 और BECA - 2020 से चीन को संतुलित करने का प्रयास

70

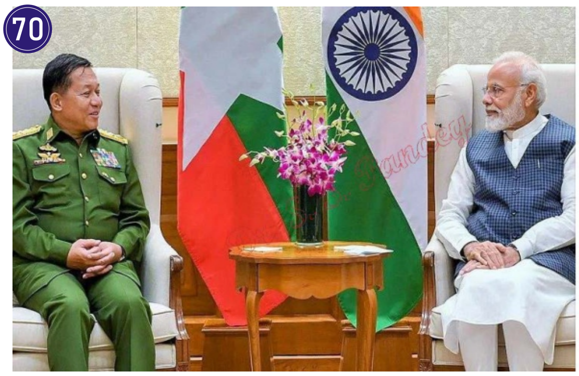

2014

भारत – म्यान्मार सैन्य सहयोग समझौता

फरवरी, 2016

म्यान्मार के साथ अंडमान सागर एवं बंगाल की खाड़ी में **समन्वित गश्त** हेतु समझौता

जून, 2015

बांग्लादेश के **चिटगाँव** एवं **मोंगला पोर्ट** के प्रयोग संबंधी समझौता

2016

इण्डोनेशिया एवं थाईलैंड के साथ समुद्र में समन्वित गश्त हेतु 'मानक प्रचालन प्रक्रिया' पर समझौता

जून, 2018

भारत इंडोनेशिया सामरिक सहयोग समझौता– इसके तहत भारत **सबांग बंदरगाह** का **सैन्य इस्तेमाल** कर सकेगा

नवम्बर, 2017

भारत - सिंगापुर रक्षा समझौता

2022

श्रीलंका में **आर्थिक संकट**

भारत द्वारा श्रीलंका को **4 अरब डॉलर** की कर्ज **सहायता**

21 जुलाई 2023

श्रीलंका के राष्ट्रपति **रानिल विक्रमसिंघे** की भारत यात्रा

आर्थिक संकट के दौरान भारत द्वारा श्रीलंका को प्रदान की गई एकजुटता और समर्थन के लिए श्रीलंका के तरफ से 'गहरी सराहना' एवं धन्यवाद

श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा श्रीलंका के तमिल समुदाय के हित में **13वें संशोधन** को लागू करने की श्रीलंका सरकार से अपेक्षा

2 नवंबर 2023

भारत ने श्रीलंका को 1.5 करोड़ (15 मिलियन) डॉलर का 'एतिहासिक' अनुदान देने का एलान।

राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा कोलंबो में द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर।

जनवरी 2024

भारत और अमेरिका द्वारा कड़ी आपत्ति के बाद...

श्रीलंका द्वारा **चीनी जहाजों** को अपने हिंद महासागर के बंदरगाहों पर ठहरने पर एक साल का **प्रतिबंध**

2014

भारत-मालदीव समुद्री क्षेत्र सुरक्षा, सहयोग एवं संयुक्त अभ्यास समझौता

81

फरवरी, 2021

मालदीव के साथ सिफबरू-अथुरू थलाफलू (GTF) में 'मालदीव नेशनल डिफेंस फोर्स कोस्ट गार्ड' को भारत द्वारा विकसित करने हेतु समझौता

86

15-16 दिसंबर 2023

ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक का तीन दिवसीय भारत दौरा और भारतीय कमर्शियल कार्गो और युद्धपोतों को डॉक करने के लिए भारत को दुक्म बंदरगाह पर एक विशेष क्षेत्र आवंटित

82

5 जनवरी 2024

श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय पर्यटकों द्वारा मालदीव का बहिष्कार

87

2015

भारत द्वारा सेशेल्स के असेम्पशन द्वीप पर Navel Base बनाने संबंधी समझौता

जून, 2017 में सेशेल्स द्वारा रद्द

प्रयास जारी

83

मई, 2016

चाबाहार पोर्ट समझौता

88

मार्च, 2015

मॉरीशस के स्वामित्व वाला अगालेगा द्वीप पर भारत द्वारा नौसैनिक अड्डा विकसित करने हेतु समझौता

84

15 जनवरी 2024

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की ईरान यात्रा और चबाहार पर एक महत्वपूर्ण समझौता

अब चबाहार पर भारत का अधिकार 10 साल के लिए वैध रहेगा

(पहले एक साल का था और प्रतिवर्ष इसको Renewal करवाना पड़ता था)

89

29 फरवरी 2024

भारत ने 29 फरवरी 2024 को मॉरीशस के अगालेगा द्वीप समूह में भारत की सहायता से निर्मित एक हवाई पट्टी और एक जेटी का उद्घाटन किया

85

फरवरी, 2018– भारत-ओमान सामरिक सहयोग समझौता– इसके तहत भारत ओमान के 'दुक्म पोर्ट' का प्रयोग अपनी सैन्य गतिविधियों एवं Logistic Support के लिए कर सकेगा

90

यह यात्रा वर्तमान भारत-मालदीव संबंध के संदर्भ में तथा SAGAR पहल के लिये महत्वपूर्ण है

11 मार्च 2024

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की मॉरीशस की पहली राजकीय यात्रा – मॉरीशस के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में प्रयास

91

6 दिसंबर 2023

भारतीय नौसेना का जहाज सुमेधा 4-6 दिसंबर 2023 तक भारतीय नौसेना की लंबी दूरी की मिशन आधारित तैनाती के एक भाग के रूप में, मेडागास्कर के अंत्सिरानाना में

92

2015

भारत-वियतनाम रक्षा सहयोग समझौता एवं भारतीय नेवी हेतु वियतनाम पोर्ट के प्रयोग पर सहमति

93

Dr. S. S. Pandey

Logistics Exchange Memorandum of Agreement (LEMOA)

94

30 अगस्त, 2016

भारत का अमेरिका के साथ एक महत्वपूर्ण संधि पर हस्ताक्षर साजो समान के अदान-प्रदान समझौता (LEMOA – Logistics Exchange Memorandum of Agreement)

95

इस समझौते का सामरिक महत्व–

(i) भारत एवं अमेरिका के बीच रक्षा व्यापार एवं प्रौद्योगिकी सहयोग संभव
(ii) साजो समान का आदान-प्रदान संभव
(iii) दोनों देश एक-दूसरे के सैन्य विमानों एवं जमीन का इस्तेमाल कर सकेंगे
(iv) संयुक्त सैन्य अभ्यास एवं प्रशिक्षण संभव

96

Dr. S. S. Pandey

Communication Compatibility & Security Agreement (COMCASA)

97

1.

6 सितंबर, 2018– भारत और अमेरिका के बीच COMCASA (कम्युनिकेशंस कमपैटबिलिटी एंड सिक्योरिटी एग्रीमेंट) पर हस्ताक्षर।

इससे भारत-अमेरिका से अति-आधुनिक रक्षा तकनीक प्राप्त कर सकेगा, जिससे दोनों देशों की सेनाएँ और शक्तिशाली हो जाएगी

98

2.

COMCASA का सामरिक महत्व

99

(i)

दोनों देशों के बीच अति-आधुनिक लड़ाकू विमानों के हार्डवेयर की अदला-बदली संभव

100

(ii)

भारत द्वारा अमेरिका के अति-आधुनिक रक्षा-संचार उपकरणों का उपयोग कर पाना संभव

101

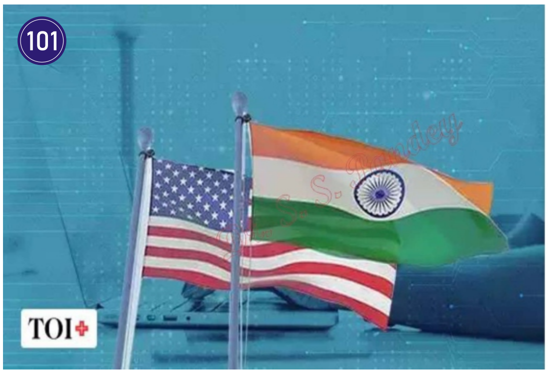

(iii)

दोनों देशों के बीच **Technology Transfer** में आने वाली कानूनी रूकावटें समाप्त

102

(iv)

भारत द्वारा **अमेरिकी रक्षा प्लेटफॉर्म का** उपयोग कर पाना संभव

103

Dr. S. S. Pandey

Basic Exchange and Cooperation Agreement (BECA)

104

1. **अक्टूबर, 2020–**

भारत और अमेरिका के बीच **BECA** समझौता पर हस्ताक्षर

105

2. इस समझौते का **सामरिक महत्व**

106

(i)

भारत को अमेरिका की **उच्च तकनीक** का फायदा मिलेगा

107

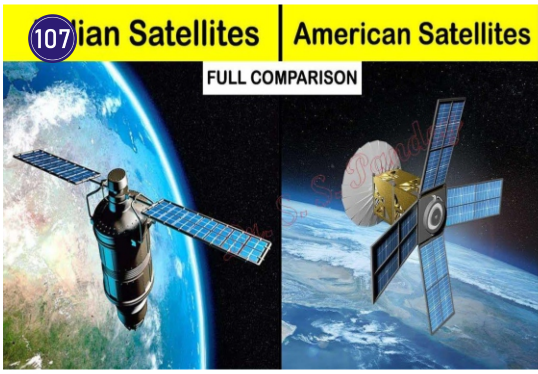

(ii)

अमेरिकी सैटेलाइटों द्वारा जुटाई गई **जानकारियाँ** भारत के साथ साझा की जा सकेंगी

108

(iii)

अमेरिका के संवेदनशील **संचार डाटा** तक भारत की पहुँच होगी

109

(iv)

इससे भारतीय **मिसाइलों की क्षमता** सटीक और बेहद कारगर होगी

110

(v)

ये समझौता दोनों देशों को सशस्त्र बलों के बीच विस्तारित **भू-स्थानिक जानकारी** साझा करने की अनुमति देगा

111
LEMOA, COMCASA & BECA
का भारत के लिये सामरिक / रक्षा लाभ

116
5.
जम्मू-कश्मीर मुद्दे पर अमेरिकी सहयोग एवं पाक पर दबाव संभव

112
BRAHMOS
1.
रक्षा प्रौद्योगिकी एवं आधुनिकतम हथियारों की प्राप्ति संभव

117
Dr. S. S. Pandey
Project Mausam
(Maritime Roots & Cultural Landscape Across the Indian Ocean)

113
2.
विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में रक्षा प्लेटफॉर्म / Base की उपलब्धता संभव

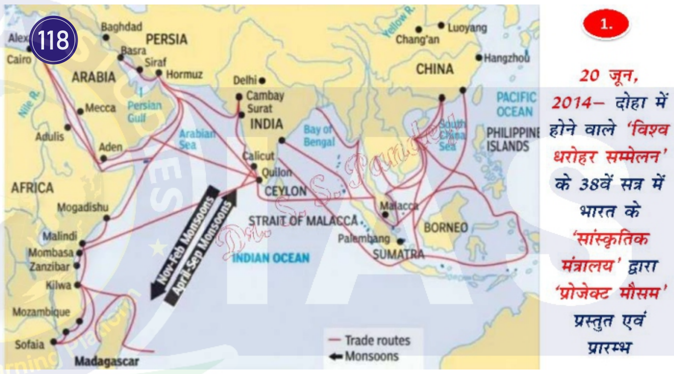
118
PERSIA
ARABIA
CHINA
INDIA
AFRICA
CEYLON
STRAIT OF MALACCA
INDIAN OCEAN
BORNEO
SUMATRA
Madagascar
Trade routes
Monsoons
1.
20 जून, 2014– दोहा में होने वाले 'विश्व धरोहर सम्मेलन' के 38वें सत्र में भारत के 'सांस्कृतिक मंत्रालय' द्वारा 'प्रोजेक्ट मौसम' प्रस्तुत एवं प्रारम्भ

114
शक्ति संतुलन
3.
पाकिस्तान के साथ शक्ति संतुलन की स्थापना संभव

119
CALIFORNIA
2.
इस परियोजना में सम्पूर्ण हिन्द महासागर क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय सम्पत्ति के रूप में UNESCO की 'विश्व धरोहर सूची में 'Maritime Cultural Landscape' को नामांकित किया जायेगा और भारत से जुड़ने वाली पुराने समुद्री रास्तों का पुन: प्रयोग किया जायेगा

115
MYANMAR
LAOS
THAILAND
CAMBODIA
VIETNAM
PARACEL ISLANDS
South China Sea
SPRATLY ISLANDS
PHILIPPINES
MALAYSIA
BRUNEI
SINGAPORE
INDONESIA
4.
दक्षिण चीन सागर एवं हिन्द महासागर में चीन के साथ शक्ति संतुलन की स्थापना संभव

120
PROJECT MAUSAM
3.
प्रोजेक्ट मौसम का सामरिक महत्व

(i)

भारत द्वारा प्रोजेक्ट मौसम के जरिये पूर्वी अफ्रीका, अरब, श्रीलंका एवं पूर्वी एशियाई देशों के साथ व्यापार एवं संस्कृति के विस्तार की नयी संभावनाओं की तलाश संभव

(ii)

भारत का इन देशों के साथ रक्षा संबंध स्थापित करना संभव

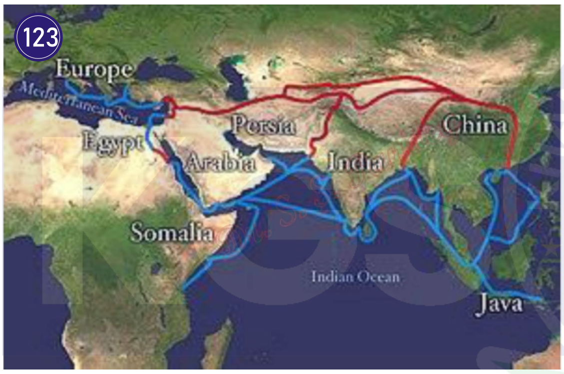

(iii)

यह पूर्वी अफ्रीका से इण्डोनेशिया तक भारत को हिन्द महासागर में शक्ति संतुलन प्रदान करेगा

(iv)

यह हिन्द महासागर में चीन के प्रभाव को कम करने में सहायक होगा

(v)

यह समुद्री लूटेरों पर नियंत्रण में सहायक होगा

Note :

2015 में चीन ने अपने Maritime Silk Road Project को भारत के 'प्रोजेक्ट मौसम' से जोड़ने की और भारत के साथ काम करने की ईच्छा जताई है, ताकि भारत की सामरिक चिंता को दूर करके व्यापारिक एवं आर्थिक लाभ को प्राप्त कर सके

1.

निश्चित रूप से सीमा सुरक्षा प्रबंधन के उपरोक्त प्रयासों से भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा समस्या को दूर करना सम्भव हुआ है

2.

परन्तु अभी भी हम अपेक्षित लक्ष्य से दूर हैं और हमारे स्थलीय सीमा एवं तटीय सीमा पर कई सुरक्षा चुनौतियाँ विद्यमान हैं

3.

अतः आवश्यकता है कुछ सुझावों पर अमल करने की; जैसे–

131

(a) भू-सीमा प्रबंधन संबंधित सुझाव

132

(i)

उत्कृष्ट बाड निर्माण, अलार्म प्रणाली, त्वरित कार्यवाही आदि को संभव बनाया जाय

133

(ii)

संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान एवं वहाँ की चौकियों की संख्या एवं उनके बीच की निकटता में वृद्धि (3.5 किमी)

134

(iii)

सीमा सुरक्षा व्यवस्था का आधुनिकीकरण एवं सशक्तिकरण तथा सुरक्षा बलों के मनोबल में वृद्धि

135

(iv)

सीमा रखवाली के सभी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की स्थापना

136

(v)

सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों में राष्ट्रवाद की भावना का विकास

137

(vi)

सीमावर्ती क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास

138

(vii)

बाड एवं सीमा के बीच मानव बस्ती एवं खेती पर प्रतिबंध

139

(viii)

सीमा पर निवास करने वाले व्यक्तियों को विशेष पहचान-पत्र

140

(ix)

सीमा पर शुल्करहित बाजार की व्यवस्था

141

(x)

संबंधित सैनिक अधिकारियों की निरंतर बैठक एवं चीन-पाकिस्तान के संदर्भ में विशेष एवं समुचित कूटनीतिक प्रयास

142

(b) तटीय सीमा प्रबंधन हेतु सुझाव

143

(i)

तटीय पुलिस की संख्या में वृद्धि और उनका आधुनिकीकरण तथा सशक्तिकरण किया जाय

144

(ii)

तटीय पुलिस फोर्स में तटीय गांवों के लोगों की बहाली को प्रोत्साहन दिया जाये

145

(iii)

द्वीपीय क्षेत्रों के लिए विशेष सुरक्षा हो और यहाँ प्रवासित लोगों को वापस भेजने का प्रयास किया जाये

146

(iv)

पनडुब्बी जहाज और अन्य आधुनिक हथियारों के माध्यम से नौसेना एवं तटरक्षक बल को सशक्त किया जाये और इनके मनोबल को बढ़ाया जाये

147

(v)

हिन्द महासागर में उत्पन्न समस्या पर, विशेष रूप से चीन के संदर्भ में, समुचित कूटनीतिक प्रयास तीव्र किये जाये

148

संभावित प्रश्न

149

1. भारत की तटीय सीमा निर्जन द्वीपों, मैंग्रोव वनों के साथ खाडियों, नदियों एवं नालियों से भरी है जो सीमा को छिद्रिल बना देती है। इस तटीय सीमा के प्रमुख सुरक्षा चुनौतियों एवं इसके प्रबंधन प्रणाली की समीक्षा कीजिए।

2. चीन का Maritime Silk Road Project भारत की तटीय सीमा सुरक्षा से किस प्रकार संबंधित है? इस संदर्भ में तटीय सीमा सुरक्षा हेतु समुचित उपाय सुझाए।

150

3. चीन द्वारा प्रारंभ 'Belt and Road Project' का भारत के स्थलीय एवं तटीय सीमा सुरक्षा के संदर्भ में परीक्षण कीजिए।

4. चीन के 'Maritime Silk Road Project' को भारत के लिए सामरिक चिंता के रूप में देखा जा रहा है। इस संदर्भ में भारत के 'Project Mausam' के सामरिक महत्व पर चर्चा कीजिए?

151

5. हाल के दिनों में हिन्द महासागर में चीन की सैन्य गतिविधियों में वृद्धि हुई है, जो भारत के तटीय सुरक्षा के लिए चिंता का विषय है। इस चिंता के प्रमुख बिंदुओं को दर्शाइए एवं इस चिंता को दूर करने की भारतीय रणनीति की समीक्षा कीजिए?

6. हाल के वर्षों में उत्पन्न भारत की प्रमुख सीमा सुरक्षा चुनौतियों को दर्शाइए एवं इन चुनौतियों के संदर्भ में 'LEMOA, COMCASA & BECA' के सामरिक महत्व पर चर्चा कीजिए?